सोमवार

33 साल से देहरादून का विश्वास

21 जुलाई 2025

● देहरादून
● वर्ष 33
● अंक 165
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

मानसून सीजन को देखते हुए

24 घंटे अलर्ट मोड पर रहें अधिकारी: धामी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मानसून सीजन में सभी अधिकारी 24 घंटे अलर्ट मोड में रहें।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आईटी पार्क स्थित राज्य आपदा परिचालन केन्द्र से प्रदेश में हो रही अतिवृष्टि का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों से वर्चुअल माध्यम से बातचीत कर जनपदों में बारिश की स्थिति, सड़कों की स्थिति, चारधाम और कांवड़ यात्रा की व्यवस्थाओं तथा विद्युत, पेयजल एवं मूलभूत आवश्यकताओं के बारे में जानकारी ली।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मानसून सीजन में सभी अधिकारी 24 घंटे अलर्ट मोड में रहें। किसी भी जान-माल के नुकसान से बचाव के लिए यह सुनिश्चित किया जाए कि बारिश के पूर्वानुमान का अपडेट लोगों को तुरंत मिल जाए। इसके लिए जनपद, तहसील, ब्लॉक और ग्राम स्तर तक आपदा प्रबंधन तंत्र को सक्रिय रखा जाए। वर्षा के कारण जो सड़कें बाधित हो रही हैं, उन्हें शीघ्रता से सुचारु किया जाए। भू-स्खलन की दृष्टि से संवेदनशील स्थानों पर सभी आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। वर्षा के कारण जनजीवन प्रभावित न हो, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए रिस्पांस टाइम कम से कम किया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि मानसून के दृष्टिगत राज्य के पर्वतीय जनपदों में खाद्यान्न, दवाइयों और अन्य मूलभूत आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त स्टॉक रखा जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को आवागमन में परेशानी न हो।

संपर्क मार्ग बाधित होने पर आवागमन के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं भी रखी जाएं। मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जन सुरक्षा की दृष्टि से सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। किसी जनपद से करंट लगने की शिकायतें न आएं। पुलों का सेफ्टी ऑडिट करने के निर्देश मुख्यमंत्री पहले ही अधिकारियों को दे चुके हैं। शहरी क्षेत्रों में जलभराव की समस्याएं न हों, इसके लिए सभी आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश उन्होंने अधिकारियों को दिए हैं। नदियों के बढ़ते जल स्तर की नियमित निगरानी करने के निर्देश भी मुख्यमंत्री ने दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि चारधाम यात्रा पर जाने वाले सभी श्रद्धालुओं को मौसम का नियमित अपडेट दिया जाए। वर्षा के कारण यातायात प्रभावित होने की स्थिति में श्रद्धालुओं को ठहराव स्थलों पर भोजन, पानी एवं अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जाए। इस अवसर पर सचिव आपदा प्रबंधन विनोद कुमार सुमन, अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी आनन्द स्वरूप, अपर सचिव बंशीधर तिवारी एवं वर्चुअल माध्यम से सभी जिलाधिकारी उपस्थित थे।

मतदान तिथियों को लेकर भ्रम में न रहे मतदाता: आयोग

●24 और 28 जुलाई 2025 को दो चरणों में ही होगा मतदान

संवाददाता

देहरादून। राज्य निर्वाचन आयोग उत्तराखंड ने स्पष्ट किया है कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में मतदान की तिथियों में किसी तरह का कोई परिवर्तन नहीं किया गया है। पंचायत के चुनाव दो चरणों में 24 और 28 जुलाई 2025 को ही होंगे। आयोग ने कहा है कि प्राकृतिक आपदा या अन्य किसी आपातकालीन स्थितियों की वजह से किसी पोलिंग स्टेशन या बूथ पर मतदान नहीं हो पाता है, तो ऐसी स्थिति के लिए ही पुनर्मतदान की तिथियां घोषित की गई हैं। 20 जुलाई 2025 को जारी आयोग का पत्र भी इसी से संबंधित है, जिसका मतदान की तिथियों में परिवर्तन से दूर दूर तक कोई संबंध नहीं है। आयोग ने मतदाताओं से अपील की है कि वे मतदान की तिथियों को लेकर किसी तरह के भ्रम में न रहें।

आयोग के सचिव राहुल कुमार गोयल ने स्पष्ट किया है कि पहले चरण में 24 जुलाई 2025 को किसी पोलिंग स्टेशन या बूथ पर मतदान न होने की स्थिति में पुनर्मतदान 28 जुलाई 2025 को होगा।

इसी तरह, ये स्थिति यदि 28 जुलाई 2025 के मतदान के दिन उत्पन्न होती है, तो संबंधित पोलिंग स्टेशन या बूथ पर 30 जुलाई 2025 को पुनर्मतदान कराया जाएगा। पुनर्मतदान यदि आवश्यक हुआ, तो सुबह आठ बजे से शाम पांच बजे तक कराया जाएगा। मतगणना निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 31 जुलाई 2025 को ही होगी। सचिव के अनुसार-चुनाव के दौरान पुनर्मतदान की तिथियों हर बार घोषित किया जाता रहा है।

दून वैली मेल

संपादकीय

आईना दिखाया तो बुरा मान गये

लोक गायक पवन सेमवाल अब अपने एक और गीत को लेकर विवादों के घेरे में आ गये। 'नी धामी रे, मी धामी रे, गीत गाने को लेकर उत्तराखण्ड के लोगों की भावनाये इतनी मर्रमाहत हो गयी हैं कि उन्होंने पवन सेमवाल पर राज्य की बेटियों और महिलाओं की मर्यादाओं को कलंकित करने का आरोप लगाया है। उनके खिलाफ पुलिस में दी गयी शिकायत के बाद पुलिस ने थाने ले जाकर उनसे पूछताछ भी की गयी। शिकायत के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। यह कोई पहला मर्तबा नहीं है जब राज्य के लोक गायकों ने सत्ता शीर्ष पर बैठे नेताओं को झकझोरा न हो। नेगी दा के नौ छमी नारायण से लेकर पवन के नी धामी रे, तक अब तक कई ऐसे गीत चर्चाओं के केन्द्र में आ चुके है और गायकों को एक अलग पहचान दिला चुके हैं। इस बार कुछ अलग हटकर हो रहा है तो यह हो रहा है कि किसी भी मुख्यमंत्री ने या फिर उसके समर्थकों ने पुलिस में इसकी रिपोर्ट दर्ज नहीं करायी गयी है। 'नौ छमी नारायण' और अब कतका खेंलू गाने वाले ने तो अपने गीतों से आईना दिखाने की कोशिश की गयी हो या फिर झेपू दा गाने वाले पवन सेमवाल जिन्होंने इस पर यह कहकर माफी भी मांगी थी कि अगर इससे किसी की भावनाएं आहत हुई है तो वह माफी मांगते है। लेकिन सोशल मीडिया पर झेपू दा को तीन दिन के अन्दर मिले 90 हजार लोगों ने यह सिद्ध कर दिया कि अपने गीतों के माध्यम से राज्य के नेताओं को सच का आईना दिखाने वाले गायकों के प्रयास खूब भाते हैं। किसी भी लेखक, गायक व पत्रकार के लिए इससे बडा कोई ईनाम कुछ नहीं हो सकता कि वह सच को सच कहने की हिम्मत रखता हो और लोग भी यही चाहते हैं। गढवाली गायक पवन सेमवाल भी हैं तो पहाडी ही। वह कहीं बाहर से आये हुए नही हैं। उनके इस गीत में वह पहाड के जिस दर्द को बयां करना चाहते हैं या तो उसे गलत समझा जा रहा है या फिर उसे समझने का प्रयास भी नहीं किया जा रहा है। अथवा उसकी व्याख्या ही गलत तरीके से की जा रही है। राज्य में महंगाई बेरोजगारी और अपराधों के बढते ग्राफ व भ्रष्टाचार के हालात को ठीक से समझने की जरूरत है। एनसीआर 2022 की रिपोर्ट के अनुसार महिला अपराधों के कुल 4337 मामले दर्ज हुए जो 2021 की तुलना में नौ से सात प्रतिशत अधिक हैं। बलात्कार के कुल 876 मामले दर्ज हुए जो देश के तमाम 40 राज्यों के तुलना में सबसे अधिक हैं। बाल यौन शोषण के 637 मामले में सबसे अधिक हैं। उत्तराखण्ड को नशा मुक्त बनाने के दावों के बीच पहाड पर शराब को नशा मुक्त बनाने के दावों के बीच पहाड पर शराब की सप्लाई का मजबूत ढांचा तैयार किया गया है वह किसी से छुपा नही है। उत्तराखण्ड देश का पहला राज्य है जहां लिव इन रिलेशन को सरकारी मान्यता प्रदान की गयी है। अंकिता हत्याकाण्ड की कहानी राज्य में कई महिलाओं और बेटियो ंपर हो रहे अत्याचारों को समझने के लिए काफी है। यह समझ से परे हैं कि पवन सेमवाल ने इस गीत में ऐसा क्या कुछ कह दिया है कि जो सच नहीं है। हां यह जरूर माना जा सकता है कि इस सच वह उजागर करने में कुछ ज्यादा ही बेबाक हो गया है। सेमवाल इस गीत को गाते समय यह भूल गये हैं कि इतना कटु सत्य को सत्ता कैसे पचा पायेगी। यह देखना दिलचस्प होगा कि इस कठोर सच को कहने पर उन्हें भी सजा दी जायेगी या फिर उनकी क्षमा याचना को ही काफी मान लिया जायेगा।

सिफारिश के तहत ही मिल पाती है आयुष्मान के तहत सुविधाः मोर्चा

संवाददाता

देहरादून। जन संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि सिफारिशों के तहत ही आयुष्मान के तहत सुविधा मिल पाती है।

आज यहां जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने सचिव, स्वास्थ्य डॉ. आर राजेश कुमार से भेंट कर प्रदेश के कई बड़े नामी सूचीबद्ध प्राइवेट हॉस्पिटल द्वारा बाह्य रोगियों को आपात स्थिति में दाखिले (एडमिशन) के समय बिना सिफारिश के आयुष्मान योजना के तहत अक्सर वेंटिलेटर/ आईसीयू की सुविध ा उपलब्ध कराने में आनाकानी/ बहाना बनाने के मामले को लेकर ज्ञापन सौंपा। डॉ. कुमार ने कार्यवाही का भरोसा दिलाया।

नेगी ने कहा कि कई अस्पताल आपात स्थिति में वेंटिलेटर/ आईसीयू इस समय उपलब्ध नहीं है,का बहाना बनाकर टाल देते हैं, जबकि अस्पताल में यह सुविधा उस वक्त उपलब्ध रहती है। ऐसे समय में जब उस वक्त मरीज की जान पर बनी रहती है। इन कारणों के चलते सरकार की आयुष्मान योजना का लाभ मरीज को नहीं मिल पाता। कई मामलों में, जिन लोगों की एप्रोच होती है ,वो मरीज इस सुविधा का लाभ उठा लेते हैं, लेकिन सिफारिश विहीन अन्य मरीज अस्पतालों के चक्कर ही काटते रहते हैं। आलम यह है कि आयुष्मान के तहत इलाज करा रहे मरीजों को ये अस्पताल हेय दृष्टि से देखते हैं। कई मामलों में देखा गया है की अस्पताल प्रबंधन प्राइवेट स्वास्थ्य बीमा कार्ड धारकों/ गोल्डन कार्ड/ नगद वालों पर विशेष ध्यान देते हैं, जिसमें उनकी अच्छी कमाई होती है। कई बार तो ये अस्पताल जब तक स्वास्थ्य बीमा कार्ड/ गोल्डन कार्ड की राशि समाप्त नहीं हो जाती तब तक मरीज को नहीं छोड़ते, चाहे वह चार दिन पहले ही मर चुका हो। इस ओर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। ऐसी लापरवाही के चलते सरकार की योजना शत प्रतिशत धरातल पर नहीं उत्तर पा रही है। विभागीय मंत्री इस मामले में संज्ञान लेकर मरीजों को राहत प्रदान कर सकते हैं, अगर इनके पास फुर्सत हो तो। मोर्चा को भरोसा है कि आयुष्मान का लाभ इन बाह्य रोगियों को मिलने लगेगा।

राजभवन घेराव करने जा रही कई महिला कांग्रेस कार्यकर्ता गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। बढते महिला अपराधों को लेकर उत्तराखंड प्रदेश महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा आज प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती ज्योति रौतेला के नेतृत्व में राजभवन घेराव कार्यक्रम आयोजित किया गया।

भारी बरसात के बीच बडी संख्या में आई महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत महिला अध्यक्ष ज्योति रौतेला के नेतृत्व में राजभवन की ओर कूच किया जिन्हें पुलिस द्वारा हाथी बडकला स्थित वैरिकेटिंग पर रोक दिया जहां पर वैरिकेटिंग पार करने को लेकर महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं पुलिस मे भारी झड़प हुई तथा वहां पर बडी संख्या में उपस्थित पुलिस दल द्वारा महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ ध क्कामुक्की कर उन्हें रोकने का प्रयास किया गया जिसके बाद महिला कांग्रेस कार्यकर्ता वहीं पर धरने पर बैठ गये जहां से पुलिस उन्हें गिरफ्तार कर पुलिस लाईन ले गई।

इस अवसर पर प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्योति रौतेला ने कहा कि विगत तीन वर्ष के अन्तराल में उत्तराखंड राज्य महिला अपराध में शीर्ष पर पहुंच गया है। राज्य में हत्या, मासूमों से बलात्कार एवं महिलाओं से सम्बन्धित जघन्य अपराध ों की घटनाओं में भारी वृद्धि हुई है। राज्य में लगातार घट रही इन घटनाओं से महिला सम्मान के साथ-साथ राज्य की अस्मिता पर भी चोट पहुंची है तथा देवभूमि उत्तराखंड का गौरव कलंकित हुआ है।

ज्योति रौतेला ने कहा कि पिछले तीन वर्ष में महिलाओं के साथ दुष्कर्म की 1822 घटनाएं घटित हो चुकी है तथा 318 अज्ञात महिलाओं के शव मिले हैं जिनमें से केवल 87 की ही शिनाख्त हो पाई है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड राज्य में पिछले 5 वर्ष में 10500 महिलायें लापता हुई जिनमें से 767 महिलाएं अभी भी लापता हैं। राज्य में साल दर साल महिला अपराध की घटनाओं में वृद्धि हो रही है तथा तीन साल में महिला अपराध के 103947 मुकदमे दर्ज हुए हैं। राज्य में औसतन प्रति माह एक बलात्कार और हत्या की घटना घटित हो रही है। तीन वर्ष पूर्व उत्तराखण्ड राज्य में हुए अंकिता भंडारी जघन्य हत्याकांड से शुरू हुआ सिलसिला लगातार बढता गया तथा सामूहिक बलात्कार व हत्या की घटनाओं में सत्ताध ारी दल के लोगों की संलिप्तता के चलते राज्य का पुलिस प्रशासन अपने को लाचार महसूस कर रहा है। राज्य में भय का वातावरण व्याप्त है तथा आमजन विषेशकर महिलाएं अपने को असुरक्षित महसूस कर रही हैं। महिला कांग्रेस कार्यकर्ता लगातार राज्य में महिला अत्याचार की घटनाओं के प्रति सरकार को सचेत करते आये परन्तु अधिकतर घटनाओं में भाजपा नेताओं की संलिप्तता के चलते राज्य सरकार कोई कदम नहीं उठा रही है तथा बलात्कारियों की संरक्षक बनी हुई है। प्रदेश महिला अध्यक्ष ने कहा कि हम महामहिम राज्यपाल महोदय को ज्ञापन के माध्यम से उनके संज्ञान में महिला अपराध के मामले लाते हुए उनसे हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं परन्तु राज्य सरकार ऐसे आन्दोलनों को पुलिस के बल पर रोकना चाहती है। उन्होंने कहा कि महिला कांग्रेस सरकार की अपराधियों को सरंक्षण देने की नीति के खिलाफ लगातार संघर्ष करती रहेगी।

कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष नजमा खान, चन्द्रकला नेगी, प्रदेश महासचिव पुष्पा पंवार, पूनम सिंह, अनुराधा तिवारी, अमृता कौशल, दीपा चौहान, डिंपल, सुकन्या, शशि, भावना शर्मा, राज बाला, सावित्री देवी, रानी, मनोज, पूनम, संध्या, अन्नू, राजकुमारी, शीला देवी, आशिया आदि अनेक महिला कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

शासनादेश के अनुसार महिला कार्मिकों की लगे ड्यूटी

कार्यालय संवाददाता

मुनस्यारी। पूर्व जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने जिले में महिला कार्मिकों की ड्यूटी शासनादेश के अनुसार नहीं लगाए जाने पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ईमेल के माध्यम से पत्र भेजा। उन्होंने कहा कि कुछ गर्भवती महिलाओं की तक ड्यूटी लगा दी गई है, जो अनुचित है।

गर्भवती महिलाओं को मिले छूट, मुख्य निर्वाचन आयुक्त को भेजा पत्र

मुख्य निर्वाचन आयुक्त को भेजे गए पत्र में कहा गया कि उत्तराखंड सरकार द्वारा जारी शासनादेश के अनुसार महिला कार्मिकों की ड्यूटी 5 किलोमीटर की परिधि में लगाए जाने का प्रावधान है। ठीक उसके विपरीत जिले में महिला कार्मिकों की ड्यूटी 100 से 200 किलोमीटर की दूरी पर लगा दिया गया। इससे महिला कार्मिकों को परेशानियां उठानी पड़ेगी। यह शासनादेश का भी खुला उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि कुछ गर्भवती महिलाओं की भी ड्यूटी लगा दी गई है। गर्भवती महिलाएं ड्यूटी काटने के लिए अधिकारियों के चक्कर काट रहे है, लेकिन कोई उनकी बात को नहीं सुन रहा है। उन्होंने मुख्य निर्वाचन आयुक्त से तत्काल इस मामले में हस्तक्षेप करते हुए शासनादेश के अनुसार महिला कार्मिक कार्मिकों की ड्यूटी लगाई जाने तथा गर्भवती महिलाओं को ड्यूटी से छूट दे जाने का आदेश जिला निर्वाचन अधिकारी को दिए जाने का अनुरोध किया है।

नवजात शिशु के लिए कपड़े खरीदते समय इन बातों का रखें ध्यान

नवजात शिशु के लिए कपड़े खरीदते समय आपको कई बातों का ध्यान रखना चाहिए। उनकी त्वचा मुलायम होती है, जिस कारण उन्हें ऐसे कपड़े पहनाने चाहिए, जो आरामदायक और हल्के हों। कपड़े खरीदते समय आपको उनकी गुणवत्ता और बनावट पर भी खास ध्यान देना चाहिए। सही कपड़े न केवल आरामदायक होते हैं, बल्कि बच्चे की त्वचा की देखभाल भी करते हैं। आज के फैशन टिप्स में जानिए बच्चों के कपड़े लेते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

सूती कपड़ा चुनें

नवजात शिशु के लिए कपड़े खरीदते समय उनकी गुणवत्ता पर ध्यान देना सबसे जरूरी होता है। सूती कपड़े उनके लिए सबसे अच्छे रहते हैं, क्योंकि वे नरम और आरामदायक होते हैं। सूती कपड़े त्वचा को हवा लगने देते हैं और पसीना सोखने में मदद करते हैं, जिससे बच्चे को ठंडक मिलती है। इसके अलावा, सूती कपड़े बिना किसी रसायन के बनते हैं, जो बच्चे की कोमल त्वचा के लिए सुरक्षित होते हैं और एलर्जी का कारण नहीं बनते।

ढीले-ढाले कपड़े खरीदें

कपड़े खरीदते समय उनके आकार पर भी ध्यान देना जरूरी है। नवजात शिशु के लिए ढीले-ढाले कपड़े चुनना बेहतर होता है, ताकि उन्हें आसानी से पहनाया और उतारा जा सके। ढीले कपड़े बच्चे को आरामदायक महसूस कराते हैं और उसे किसी भी तरह की असुविधा नहीं होती। इसके अलावा, ढीले कपड़ों में बच्चा आसानी से हिल-डुल भी सकता है, जिससे वह खुश रहता है और उसकी त्वचा को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचता।

हल्के रंगों का चयन करें

हल्के रंगों के कपड़े नवजात शिशु के लिए सबसे अच्छे होते हैं, क्योंकि वे आसानी से साफ हो जाते हैं और उनपर लगे किसी भी तरह की दाग-धब्बे को आसानी से हटाया जा सकता है। इसके अलावा, हल्के रंगों के कपड़े बच्चे की त्वचा को भी आराम प्रदान करते हैं और किसी भी तरह की एलर्जी का कारण नहीं बनते। हल्के रंगों के कपड़े पहनकर बच्चे को गर्मी भी महसूस नहीं होगी और वह चिड़चिड़ाएगा नहीं।

बिना किसी सजावट के कपड़े खरीदें

कपड़े खरीदते समय उन पर किसी भी तरह की भारी सजावट या कढ़ाई नहीं होनी चाहिए, क्योंकि ये बच्चे की त्वचा पर खरोंच या जलन पैदा कर सकती हैं। इसलिए हमेशा बिना किसी सजावट वाले साधारण और साफ-सुथरे कपड़े चुनें, जो बच्चे को पूरी तरह आरामदायक महसूस कराएं। इसके अलावा, बिना सजावट वाले कपड़े बच्चे को हिलने-डुलने में भी मदद करते हैं, जिससे वह खुश रहता है और उसकी त्वचा को भी कोई नुकसान नहीं पहुंचता।

फलों के रस की अधिकता भी हो सकती है नुकसानदेह

फलों का रस पीना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। फ्लों का रस से शरीर में पानी की कमी नहीं होती साथ ही उर्जा भी मिलती है पर क्या आपको पता है कि ज्यादा रस पीना भी सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। जी हां, फ्लों का रस सेहत के लिए जितना फायदेमंद होता है उतना ही इसका सेवन नुकसानदायक भी हो सकता है।

कैसे हो सकता है नुकसानदेह

होता है उल्टा असर

कुछ फ्लों को खाने की जगह उनके रस का विपरीत असर पड़ता है। जिसे लोग फायदे के लिए पीते हैं, उस जूस का सेहत पर उल्टा असर पड़ता है। जैसे सेब, अंगूर आदि फ्ल डायबिटीज के लिए फायदेमंद होते हैं, लेकिन उनका रस नुकसानदायक होता है।

ऐसा इसलिए क्योंकि रस में ज्यादा कैलोरी और शुगर होता है। इसके अलावा फाइबर की मात्रा भी कम होती है। यही कारण है कि रस पीने के बाद पेट भरा-भरा लगता है।

इसलिए डॉक्टरों का मानना है कि रस का सेवन की जगह फ्ल खाना चाहिये।

रस पीने से पेट भरा हुआ लगता है और खाना कम खा पाते हैं, वहीं फ्ल खाने के बाद व्यक्ति ज्यादा खाना खा सकता है।

नियमित न पीयें फ्लों का रस

कुछ लोग नियमित तौर पर फ्लों के रस का सेवन करते हैं लेकिन रोजाना यह रस पीना सेहत के लिए फायदेमंद नहीं रहता। इसलिए कोशिश करें कि नियमित तौर पर रस न पीयें।

ज्यादा रस पीने के नुकसान इस प्रकार हैं।

बढ़ता है मोटापा

रोग प्रतिरोधी सिस्टम होता है कमजोर

ब्लड शुगर स्तर होता है प्रभावित

बढ़ता है डायबिटीज का खतरा

इससे सिरदर्द, मूड स्विंग्स की भी रहती है आशंका।

पीने लायक नहीं होता सड़क किनारे बिकने वाला रस

सड़क किनारे बिकने वाले रस और अन्य पेय का 81 प्रतिशत हिस्सा पीने के काबिल नहीं होता है।

चेहरे की शेप के अनुसार करें बिंदी का चुनाव

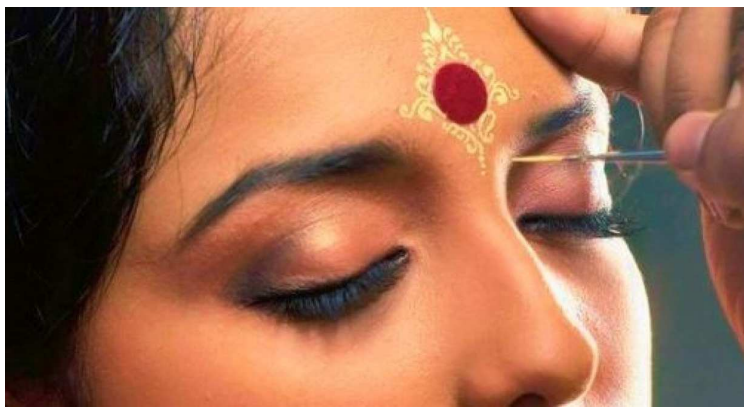

भारतीय महिलाओं के श्रृंगार का अभिन्न अंग हैं बिंदी जो माथे पर सजती हैं और हर युवती या महिला की खूबसूरती में चार चांद लगाती हैं। देसी लिबास हो और माथे पर बिंदिया न सजी हो, तो श्रृंगार अधूरा ही नजर आता है। कई महिलाएं सिर्फ इस वजह से बिंदी का इस्तेमाल नहीं करती हैं कि उन्हें मनचाहा लुक नहीं मिल पाता हैं। अगर आपके चेहरे पर बिंदी नहीं जमती और आप ये सोचती हैं कि बिंदी हर किसी पर नहीं फबती, तो आप गलत सोच रही हैं। जी हां, आपको यह समझने की जरूरत हैं कि बिंदी तभी आपको परफेक्ट लुक देती हैं जब इसका चुनाव अपने चेहरे की शेप के अनुसार किया जाए। फेस शेप के अनुसार अगर आप बिंदी लगाएंगी तो आपका आकर्षण और खूबसूरती बढ़ेगी। तो आइये जानते है इसके बारे में जरूरी जानकारी।

चौड़े माथे के लिए : अगर आपका माथा चौड़ा है, तो आप बेझिझक बड़ी गोल बिंदी लगाइए। इस तरह के माथे पर बड़े आकार की बिंदी खूबसूरत लगती है। वो चाहें प्लेन हों या डिजाइन वाली। वैसे चौड़े ललाट वाली महिलाओं पर डार्क मैरून रंग की गोल बिंदी हमेशा शोभा देती है। खासतौर से अगर वो उसे साड़ी के साथ पेयर करती हैं तो समझिए कि चारों चांद एक ही बिंदी में सिमट जाते हैं।

चौकोर चेहरे के लिए : अगर आपका चेहरा चौकोर है तो आपको अपने चेहरे पर गोल बिंदी लगानी चाहिए। ये ना सिर्फ आपके चेहरे को सूट करेगी, साथ ही चेहरे के लुक को बैलेंस भी बनाएगी। स्क्वायर शेप के फेस के साथ कभी भी किसी और शेप की बिंदी ना लगाएं। ऐसी बिंदी आपके फेस लुक को पूरी तरह से बिगाड़ देगी।

दूर भौंहें होने पर : कुछ युवतियों या महिलाओं की भौहों के बीच गैप ज्यादा होता है। ऐसी युवतियां या महिलाएं भी बड़ी गोल सजी हुई बिंदी लगा सकती हैं। आइब्रो के बीच जगह ज्यादा होने पर फैंसी बिंदिया भी सुंदर लगती हैं। एक तो वो बीच की खाली जगह को खूबसूरती से फिल करती हैं। साथ ही चेहरे का पूरा लुक ही बदल देती हैं। ऐसा चेहरा होने पर युवतियां या महिलाएं बिंदी के नीचे एक छोटी बिंदी या चंद्राकार बिंदी भी लगा सकती हैं। साथ ही बॉर्डर वाली बिंदियां भी उन पर खूब जंचती हैं।

गोल चेहरे के लिए : अगर आपका चेहरा गोल है तो आपको लंबी बिंदी लगानी चाहिए। ये बिंदी आपके चेहरे पर बेहद खूबसूरत लगेगी। ये बिंदी आपके चेहरे पर एक वर्टिकल इल्यूजन बनाएगी, जो आपके चेहरे को सूट करेगा। राउंड फेस पर लंबी बिंदी लगाने से चेहरा लंबा भी लगता है। लेकिन कोशिश करें कि अधिक लंबी बिंदी ना लगाएं। बिंदी कम लंबी होगी तो अधिक सुन्दर लगेगी।

लंबे चेहरे के लिए : लंबे चेहरे पर गोल बिंदियां अलग ही लुक देती हैं। जिनका चेहरा लंबा है वो गोल बिंदियों के साथ-साथ अलग अलग एक्सपेरिमेंट भी कर सकती हैं। वो थोड़ी छोटी या हेवी डिजाइन वाली बिंदी अपने लिए चुन सकती हैं। लंबे पतले चेहरे पर गोल बिंदी कंट्रास्ट लुक देती हुई दिखती हैं। यही वजह है कि लंबे या आयातकार चेहरे पर गोल बिंदी सबसे अलग नजर आती है।

अंडाकार चेहरे के लिए : अगर आपका फेस अंडाकार शेप का है तो अपने चेहरे के साथ कई सारे एक्सपेरिमेंट कर सकती हैं। अगर बड़ी बिंदी लगाती हैं तो वो आपके चेहरे पर ग्रेसफुल लगेगी। अगर आप फिर भी अपनी बिंदी को लेकर थोड़ा कशमकश में हैं तो आप लंबी बिंदी भी ट्राई कर सकती हैं।

छोटे चेहरे के लिए : कुछ युवतियों का चेहरा बहुत छोटा होता है। उन पर बड़ी बिंदियां अजीब दिखती हैं। ऐसी युवतियां छोटी बिंदी लगाकर अपना शौक पूरा कर सकती हैं। छोटे चेहरे वाली युवतियों को ज्यादा फैंसी डिजाइन की बिंदियों की जगह प्लेन या सॉलिड कलर्स की बिंदी लगानी चाहिए। अगर पार्टी लुक चाहिए तो वो नग वाली बिंदी लगाकर खूबसूरती बढ़ा सकती हैं।

हार्ट शेप चेहरे के लिए : अगर आपका चेहरा हार्ट शेप का है और माथा थोड़ा बड़ा है तो आपको छोटी बिंदी लगानी चाहिये। लेकिन इसमें भी एक बात है, अगर आप छोटी बिंदी लगाती हैं तो ये आपके माथे पर काफी जगह छोड़ देगी। जिससे आपका चेहरा अच्छा नहीं लगेगा। इसलिये आप एक बड़ी बिंदी लगा सकती हैं।

ओकेजन के अनुसार चुनें बिंदी : बिंदी हमेशा ओकेजन के अनुसार चुनी जानी चाहिए। अगर आप ऑफिस या कॉलेज जा रही हैं तो फैंसी बिंदी की जगह प्लेन बिंदी ही चुनें।

ओकेजन के अलावा अपनी ड्रेस के अनुसार भी बिंदी का ख्याल रखना जरूरी है। सिंपल सोबर ड्रेस के साथ ज्यादा फैंसी बिंदी मैच नहीं करेगी। साथ ही गहने जेवरों से लदकद हों तो भी फैन्सी बिंदी की जगह प्लेन बिंदी चुनें। सेमी ट्रेडिशनल पार्टी लुक के साथ डिजाइनर बिंदी शानदार लगेगी।

बहुत आता है गुस्सा, तो ऐसे करें शांत

गुस्सा आजकल हर किसी के लिए बड़ी समस्या है। किसी को गुस्सा आने की समस्या, तो किसी को गुस्सा बर्दाश्त करना पड़ता है। अगर आपको भी बात-बात पर गुस्सा आता है और आप इस आदत से तंग आ चुके हैं, तो लीजिए हम बता देते हैं इससे निजात पाने के कुछ बेहद आसान टिप्स -

गुस्से का एक अहम कारण है तनाव, अत: इसे शांत करने का सबसे आसान तरीका है कि अपनी मांसपेशियों को रिलैक्स करें। गहरी सांसें लेने लें और दो मिनट के लिए बिल्कूल चुप हो जाएं, कुछ देर में आप पाएंगे कि आप शांत हो रहे हैं।

अपनी आंखें बंद कीजिए और गहरी सांस लीजिए। अब सोचिए कि तनाव आपसे दूर जा रहा है। जैसे-जैसे आप यह सोचेंगे, आप पाएंगे कि सचमुच तनाव आपसे दूर हो रहा है और मन शांत।

भले ही आपको जानकार हैरानी हो, लेकिन जब भी आप तनाव या गुस्से की गिरफ्त में हों, बढ़िया सी महक लें, कोई परफ्यूम या डियो का इस्तेमाल करें या फिर ताजातरीन फूलों की महक लें। चंद सेकंड में तनाव और गुस्सा दूर हो जाएगा।

गुस्सा कम करने के लिए ठंडा पानी पीना और उल्टी गिनती लेना एक पुरानी तरकीब है, जो कारगर भी है। इसे एक बार जरूर आजमाकर देखें। इसके अलावा सकारात्मक विचारों को अपनाकर आप बहुत आसानी से मन को शांत रख सकते हैं। हास्य पढ़ना, देखना या सुनना, दोनों ही स्थिति में कुछ ही पल में आपका गुस्सा दूर कर आपको हंसाने में सहायक हो सकता है। इसलिए कॉमेडी को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं और खुश रहें। पैदल चलना, एक्सरसाइज या योगा, किसी भी तरीके से शारीरिक कसरत आपको तनावमुक्त और गुस्से से कोसों दूर रख सकती है, अत: इन्हें अपने जीवन में अनिवार्य रूप से शामिल करें। मेडिटेशन यानि ध्यान तनावमुक्त रहने के साथ ही मन की स्थायी शांति के लिए एक बेहतरीन टॉनिक की तरह कार्य करता है और मानसिक क्षमताएं भी बढ़ाता है।

लॉग-इन जानकारियां लीक होना खतरनाक

गूगल, फेसबुक और एप्पल सहित तमाम कंपनियों ने अपनी लापरवाही से आपकी सारी निजी जानकारी गलत हाथों में पड़ जाने का खतरा पैदा कर दिया है।

अपराधी इसका कैसा इस्तेमाल करेंगे और उसका आपके जीवन पर कैसा असर होगा यह सोच कर ही रूह कांप जाती है। कल तक जो आशंका मात्र थी वह अब भयावह सच में बदलने जा रही है। साइबर सुरक्षा संस्थान साइबर न्यूज का कहना है कि अरबों की संख्या में लॉग-इन क्रेडेंशियल' लीक होने के बाद ऑनलाइन डेटासेट में संकलित हो गए हैं, जिससे अपराधियों को उपयोगकर्ताओं के खातों तक पहुंच मिल गई है।

इससे न बैंक खाते सुरक्षित रहेंगे और न आपकी अन्य निजी जानकारियां जैसे चिकित्सकीय ब्योरे इत्यादि। हर वह खाता खतरे में है जिसे आप कंप्यूटर या मोबाइल पर किसी काम के लिए बनाते हैं। आपके ईमेल के जरिए किए गए संवाद व पत्र व्यवहार अपराधियों की जद में होंगे। आपकी ऑनलाइन खरीद, रुचियां अैरअन्य कार्य अपराधियों की जानकारी में होंगे। वे आपको धमका सकते हैं, ब्लैकमेल कर सकते हैं, यहां तक कि आपको आत्मघाती कदम उठाने पर भी मजबूर कर सकते हैं।

साइबरन्यूज शोधकर्ताओं ने 3० डेटासेट का पता लगा है, जिनमें से प्रत्येक में बड़ी संख्या में लॉग-इन जानकारी दी गई है। कुल मिला कर 16 अरब से अधिक लॉग-इन जानकारियां लीक हुई हैं, जिनमें गूगल, फेसबुक और एप्पल समेत कई लोकप्रिय प्लेटफॉर्म के उपयोगकर्ताओं के पार्सवड शामिल हैं। इतनी लाग-इन जानकारियां लीक हो चुकी हैं, जो दुनिया की आबादी के दो गुने से भी ज्यादा हैं। इसका मतलब हुआ किप्रभावित उपभोक्ताओं के एक से अधिक खातों की जानकारी लीक हुई है।

चौंकाने वाली बात यह है कि लॉग-इन जानकारी लीक होने की सूचना किसी एक स्रेत से नहीं आई है यानी ऐसा नहीं है कि किसी एक कंपनी को निशाना बना कर जानकारी लीक गई हो। लगता है कि अलग-अलग समय पर डेटा चुराया गया और इकट्ठा लीक किया गया। साइबरन्यूज का कहना है कि कई तरह के इंफोस्टीलर्स' इसके लिए सबसे अधिक जिम्मेदार हैं।

इंफोस्टीलर' ऐसा सॉफ्टवेयर होता है जो पीड़ित के डिवाइस या सिस्टम में सेंध लगा कर संवेदनशील जानकारी चुरा लेता है। इस हरकत के लिए किसी भी प्लेटफार्म को बख्शा नहीं जाना चाहिए।

बाजार में मौजूद हैं कई तरह के ब्लश, जानिए आपको कौन सा चुनना चाहिए

ब्लश एक तरह का मेकअप प्रोडक्ट है जिसका इस्तेमाल गाल को हाइलाइट करने के लिए किया जाता है और यह चेहरे पर एक फ्रेशनेस भी लेकर आता है। वैसे बाजार में कई तरह के ब्लश मौजूद हैं, लेकिन अधिकतर लोगों को यह पता नहीं कि बेहतर निखार के लिए कौनसे ब्लश का चयन सही होता है। ऐसे में आएये हम आपको बताते हैं कि अपने चेहरे पर निखार लाने के लिए किस ब्लश का चयन करना चाहिए।

पाउडर ब्लश: पाउडर ब्लश लंबे समय तक चलने वाले और तैलीय त्वचा के प्रकार के लिए एकदम सही है। यह ब्लश कई प्रकार के फॉर्मूला में आते हैं और इनमें शिमर और मैट आदि शामिल हैं। इनका इस्तेमाल करके आप न्यूट्रल और रोज जैसे कई तरह के लुक्स क्रिएट कर सकते हैं। इसकी विशेषता है कि यह गाल पर आने वाले अतिरिक्त तैलीय प्रभाव को नियंत्रित करने में मदद करता है।

क्रीम ब्लश : अगर आपकी त्वचा रूखे प्रकार की है तो क्रीम ब्लश आपके लिए बेस्ट है। इसमें मॉइस्चराइजिंग क्रीम और बटरी सॉफ्ट फॉर्मूला है, जो इसे रूखी त्वचा वाले लोगों के लिए सही बनाता है। यह आपकी त्वचा पर आसानी से ब्लेंड हो जाता है और आपके गालों को प्राकृतिक निखार देता है। महिलाएं इसे अपने गाल पर स्टिपलिंग ब्लश ब्रश की मदद से लगा सकती हैं। यह लगभग पांच-छह घंटे तक रहता है।

चीक स्टेन : यह सभी प्रकार की त्वचा के लिए सबसे उपयुक्त होते हैं। इस वॉटर बेस्ड ब्लश को कोरियाई ब्रांड ने इंटरनेट पर वायरल मेकअप वीडियो के माध्यम से लोकप्रिय बनाया है। इस ब्लश की थोड़ी सी मात्रा आपको प्राकृतिक रंग देने में मदद करेगी। आप चाहें तो इस ब्लश का इस्तेमाल अपने होंठों पर भी कर सकते हैं। आप अपनी उंगलियों का इस्तेमाल करके इसे अपने गालों पर लगा सकते हैं।

स्टिक ब्लश : मेकअप के शुरुआती लोगों के लिए यह ब्लश बिल्कुल सही है, क्योंकि इसे लगाना काफी आसान है। इसका फॉर्मूला स्मूद और वॉटर प्रूफ होता है। इसकी कंसिस्टेंसी एक क्रीम ब्लश की तरह होती है और इसे आप सीधे गाल पर लगा सकती हैं। सर्दियों के दौरान रूखे प्रकार की त्वचा वाली महिलाएं भी इसे अपने गाल पर लगा सकती हैं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

डेनिम शर्ट के साथ अच्छे लगते हैं ये बॉटम, इन्हें पहनकर दिखेंगी स्टाइलिश

डेनिम शर्ट एक ऐसा परिधान है, जो हर महिला की अलमारी में होता है। यह न केवल आरामदायक होती है, बल्कि स्टाइलिश भी दिखती है। डेनिम शर्ट के साथ सही बॉटम पहनने से आपका लुक और भी खास बन सकता है। इस लेख में हम आपको पांच ऐसे बॉटम्स के बारे में बताएंगे, जो डेनिम शर्ट के साथ पहनने पर आपको एक नया और आकर्षक लुक देंगे। इन बॉटम्स को आप अलग-अलग मौकों पर पहन सकती हैं।

जींस : डेनिम शर्ट के साथ सबसे आम और लोकप्रिय विकल्प है जींस। यह मेल न केवल आरामदायक होता है, बल्कि आपको एक स्मार्ट लुक भी देता है। आप इसे रोजमर्रा की आउटिंग या दोस्तों के साथ घूमने के लिए पहन सकती हैं। अगर आप थोड़ा अलग दिखना चाहती हैं तो हल्की नीली डेनिम शर्ट के साथ गहरी नीली जींस पहनें, इससे आपका लुक और भी खास लगेगा।

स्कर्ट : अगर आप थोड़ा स्त्रीत्व का स्पर्श चाहती हैं तो डेनिम शर्ट के साथ स्कर्ट पहन सकती हैं। यह मेल आपको एक नया और आकर्षक लुक देगा। आप इसे कॉलेज या किसी रोजमर्रा की पार्टी में पहन सकती हैं। लंबी स्कर्ट के साथ डेनिम शर्ट पहनने से आपका लुक बहुत ही खास लगेगा। इसके अलावा आप छोटी स्कर्ट के साथ भी यह पहन सकती हैं, जिससे आपको एक स्टाइलिश और मनोहर लुक मिलेगा।

पैंट्स : डेनिम शर्ट के साथ पैंट्स भी एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। खासकर अगर आप ऑफिस जा रही हों या किसी औपचारिक बैठक में भाग ले रही हों तो यह मेल बहुत अच्छा लगेगा। आप इसे सफेद या काले रंग की पैंट्स के साथ पहन सकती हैं, जिससे आपका लुक पेशेवर और आकर्षक लगेगा। इसके अलावा आप पैंट्स को बेल्ट से सजा सकती हैं, जिससे आपका लुक और भी खास बन जाएगा।

शॉर्ट्स : गर्मियों में ठंडक पाने और स्टाइलिश दिखने के लिए डेनिम शॉर्ट्स एक अच्छा विकल्प हो सकता है। इसे आप किसी भी रोजमर्रा की आउटिंग या दोस्तों के साथ घूमने-फिरने के लिए पहन सकती हैं। इसके अलावा अगर आप समुद्र तट पर जा रही हों तो यह सबसे अच्छा विकल्प होगा। डेनिम शॉर्ट्स के साथ स्नीकर्स पहनें ताकि आपका लुक पूरा हो सके और आपको आराम भी मिले।

प्लाजो : अगर आप पारंपरिक और आधुनिकता का मिश्रण चाहती हैं तो प्लाजो के साथ डेनिम शर्ट एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। आप इसे त्योहारों या किसी खास अवसर पर पहन सकती हैं। इसके अलावा आप इसे ऑफिस में भी पहन सकती हैं, जिससे आपका लुक पेशेवर और आकर्षक लगेगा। प्लाजो के साथ डेनिम शर्ट पहनने से आपको एक नया और अनोखा लुक मिलेगा, जो आपको खास बनाएगा।

शब्द सामर्थ्य -15

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. अभिमान, घमंड, अनुमान 4. बादल, मेघ, जलद (सं) 6. अधिकार वाला, अधिकारी 8. गति, सामंजस्य, समा जाना 10. कारावास, जेल 11. जोर, शक्ति, जान, सांस 12. राजाओं के रहने का भवन 15. मालामाल, अमीर, धनवान 18. नाव खेने का यंत्र 20. 'खन' ध्वनि उत्पन्न होना, पायल आदि का शब्द करना 21. मार डाला हुआ, घायल किया हुआ 22. हमेशा, आवाज 23. आग की लपट, ज्वाला 24. झगड़ा, तकरार 25. हीरा।

ऊपर से नीचे

1. दोषी, अपराधी 3. ताश में नौ अंक वाला पत्ता 4. झंडा, पताका 5. गहरा कीचड़, पंक 7. बूंद, अंश 9. मृत्यु के देवता 13. संसार, दुनिया, जग 14. हुजूर, जनाब, सम्मान सूचक एक शब्द (उ.) 16. सच्चा, धर्मनिष्ठ, ईमानवाला 17. अनूठा, बांका, अनुपम, छैला 18. आश्रय, शरण 19. साधुवाद, प्रशंसा 20. पटवारी की ऐसी बही जिसमें खेत संबंधी अनेक बातें लिखी जाती है, एक प्रकार का दानेदार संक्रामक रोग 23. गम, मातम, दुख।

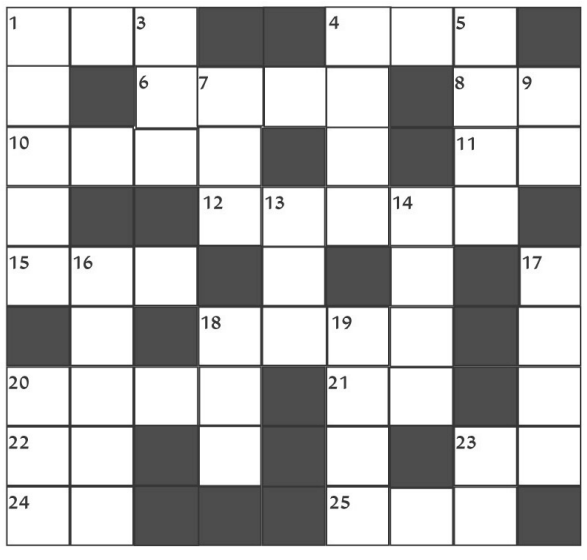

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 14 का हल

स्मृ	ति	■	पा	व	क	■	बे	ल
■	र	ज	नी	च	र	■	■	ट्टू
मु	स्का	न	■	न	म	की	न	■
सा	र	■	स	■	■	ट	ख	ना
फि	■	अ	जा	य	ब	■	रा	जा
र	च	ना	■	था	ल	■	■	य
■	■	धि	■	र्थ	■	स	मा	ज
उ	प	कृ	त	■	आ	वा	ज	■
ल्लू	■	त	■	■	ब	ल	रा	म

24 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी हरि हर वीरमल्लु

पिछले दिनों साउथ स्टार पवन कल्याण की मच अवेटेड फिल्म हरि हर वीरमल्लु' का ट्रेलर जारी हुआ। इस हिस्टोरिकल एपिक ड्रामा का फैंस लंबे वक्त से इंतजार कर रहे थे। ट्रेलर में पवन कल्याण के अलावा बॉबी देओल का भी दमदार अंदाज देखने को मिला है। 3 मिनट लंबे इस ट्रेलर की शुरुआत एक वॉइस ओवर से होती है, जिसमें मुगल काल के इतिहास के बारे में बताया जाता है।

वॉइस ओवर में कहा जाता है एक ऐसा समय जब हिंदू बने रहने की कीमत चुकानी पड़ी। एक ऐसा समय जब भारत की संस्कृति और परंपरा जुल्मी बादशाह के पांव तले रौंदी जा रही थी। ऐसे समय स्वयं प्रकृति की कोख से जन्म लेता है एक सच्चा वीर।' इसके बाद ट्रेलर में मुगल साम्राज्य को दिखाया जाता है। इसके बाद एंट्री होती है मुगल साम्राज्य के सबसे खूंखार और जुल्मी माने जाने वाले शासक औरंगजेब की, जिसके किरदार में नजर आए हैं बॉबी देओल। कंगुवा' के बाद बॉबी देओल एक बार फिर खतरनाक अंदाज में नजर आए हैं। इसके बाद धर्म के रक्षक के रूप में एंट्री मारते हैं पवन कल्याण, जो फिल्म में वीरमल्लु की भूमिका में नजर आए हैं।

फिल्म में पवन कल्याण को वीरमल्लु के रोल में दिखाया गया है, जो एक विद्रोही योद्धा है, जिसे दिल्ली सल्तनत के खिलाफ सनातन धर्म की रक्षा करने के लिए नियत किया गया है। वो मुगलों की ताकत को चुनौती देने का साहस करता है और औरंगजेब का मुकाबला करता है। कोहिनूर हीरे के लिए लड़ाई जारी है, जब वीरमल्लु मुगलों से भिड़ता है तो असली संघर्ष सामने आता है। ट्रेलर में पवन कल्याण काफी दमदार अंदाज में दिख रहे हैं।

ट्रेलर में फिल्म की बाकी स्टारकास्ट भी नजर आई है। जिसमें निधि अग्रवाल भी दिखी हैं। फिल्म पूरी तरह से ऐतिसाहिक पृष्ठभूमि पर आधारित है। ट्रेलर में सिनेमैटोग्राफी का शानदार काम देखने को मिलता है। युद्ध के सीन देखने में अच्छे लगे हैं।

काफी देरी के बाद अब अंततः पवन कल्याण की हरि हर वीरमल्लु' 24 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। एक्शन और हिस्टोरिकल फिल्मों के शौकीन लोगों के लिए ये फिल्म एक बड़ी सौगात हो सकती है।

विजय सेतुपति की नई फिल्म का टाइटल हुआ जारी

साउथ स्टार विजय सेतुपति की फिल्मों का दर्शकों को बड़ी ही बेसब्री से इंतजार रहता है। पिछले कुछ वक्त से विजय सेतुपति अपनी अनाम आगामी फिल्म को लेकर चर्चाओं में थे, जिसमें उनके साथ अभिनेत्री नित्या मेनन नजर आने वाली हैं। हालांकि, अब मेकर्स ने इस फिल्म के टाइटल की घोषणा कर दी है। जिसके बाद अब फिल्म का नाम सामने आ गया है।

फैंस का इंतजार खत्म हुआ और विजय सेतुपति की आगामी फिल्म के टाइटल की घोषणा हो गई। विजय सेतुपति और नित्या मेनन की इस फिल्म का नाम है थलाइवन थलाइवी'। इस फिल्म का निर्देशन पंडिराज ने किया है। इस ड्रामा फिल्म में विजय और नित्या पावर कपल के रूप में दिखाई देंगे। फिल्म गंभीर रूप से संबंधित रिश्तों पर बात करती है और उनके बीच के हर भाव को दिखाती है।

मेकर्स ने फिल्म का टाइटल टीजर जारी किया है। जिसकी शुरूआत विजय सेतुपति और नित्या मेनन के खाना बनाने की तैयारी करते हुए होती है। इसके बाद दोनों मजाक और बहस करते हुए रसोई में खाना बनाते नजर आते हैं। टीजर में दोनों के बीच जबरदस्त केमेस्ट्री देखने को मिली है। टीजर में योगी बाबू भी नजर आए हैं। जो ये बताते हैं कि यह जोड़ी सामान्य से बहुत दूर है। तभी विजय सेतुपति एक बंदूक निकालते हैं और गोली चलाते हैं। इसके साथ ही टीजर समाप्त हो जाता है।

मलयालम फिल्म 19(1)(ए)' के बाद विजय सेतुपति और नित्या मेनन दूसरी बार एक साथ किसी फिल्म में नजर आएंगे। पंडिराज द्वारा लिखित और निर्देशित थलाइवन थलाइवी' के टीजर के बाद अब दर्शक इस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित हैं। हालांकि, अभी फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा नहीं की गई है।

मैंने कन्नप्पा के किरदार को छह महीने तक जीया: प्रीति मुकुंदन

एक्ट्रेस प्रीति मुकुंदन इन दिनों हाल ही में रिलीज हुई अपनी फिल्म कन्नप्पा को मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया का आनंद ले रही हैं। एक्ट्रेस ने आभार जताते हुए सोशल मीडिया पर एक नोट शेयर किया, जिसमें बताया कि उन्होंने इस फिल्म में अपने किरदार को छह महीने तक जीया और महसूस किया।

एक्ट्रेस ने बताया कि इस दौरान उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ा।

एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर फैंस का धन्यवाद देते हुए लिखा, कभी-कभी जिंदगी में ऐसा समय आता है जब प्यार हमारे आस-पास होता है और शब्द कम पड़ जाते हैं, लेकिन फिर भी जताना जरूरी होता है। पिछले कुछ दिन मेरे लिए बिल्कुल ऐसे ही रहे। जो भी लोग मुझे प्यार, सम्मान और अपनापन भेज रहे हैं, आपको पता नहीं कि आपके ये शब्द मुझे कितना खुश कर रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, मैंने छह महीने तक इस किरदार को जीया और महसूस किया, अपनी कला सीखने की कोशिश की और उस समय की भारी शारीरिक मेहनत को सहा। यह देखकर कि मेरी मेहनत आप तक पहुंची है, हर मुश्किल अब आसान लगती है। जब कोई आपके उस काम को देखता है जो आपके दिल से निकला हो, तो वह खास और खूबसूरत होता है।

प्रीति मुकुंदन ने कहा, मैं एक्टर के तौर पर सिर्फ दो हफ्ते ही सेट पर थी, और हमारे इंडस्ट्री के कुछ बड़े सितारों के साथ काम करना मेरे लिए एक खास अनुभव था, खासकर ऐसे समय में, जब मैं अभी अपनी पहचान बनाने की कोशिश कर रही हूं। मैं अब भी उन यादों को सोचकर बहुत खुश होती हूं।

अभिनेत्री ने कहा कि इस सफर में उन्हें कई अच्छे और प्रेरणादायक लोग मिले, जिनके लिए वह हमेशा आभारी रहेंगी।

उन्होंने आगे कहा, उन सभी लोगों का बहुत-बहुत धन्यवाद जिन्होंने मेरे लिए यह सब संभव बनाया। आप सभी का भी शुक्रिया जिन्होंने मुझे प्यार दिखाने और मैसेज करने के लिए समय निकाला। मैं बहुत खुश हूं। आप सबको बहुत सारा प्यार।

शनाया कपूर ने ऑफ-शोल्डर बॉडीकॉन ड्रेस में ढाया कहर

शनाया कपूर ने एक बार फिर अपने लेटेस्ट फोटोशूट से सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। शनाया ने ऑफ-शोल्डर बॉडीकॉन ड्रेस में कुछ बेहद खूबसूरत तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका कॉन्फिडेंस, पोज़ और एलिगेंस फैंस का दिल जीत रहा है। शनाया कपूर ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, यहाँ हम चलते हैं और साथ में एकेजी 11 जुलाई भी टैग किया, जिससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि ये उनके किसी अपकमिंग प्रोजेक्ट या शूट का हिस्सा हो सकता है। तस्वीरों में शनाया का मिनिमल मेकअप और सॉफ्ट कर्ल्स में हेयरस्टाइल उनके लुक को और भी क्लासी बना रहा है।

जैसे ही शनाया ने ये तस्वीरें शेयर कीं, सोशल मीडिया पर तारीफों की बाढ़ आ गई। तारा सुतारिया, महीप कपूर से लेकर अनिल कपूर तक कई सेलेब्स ने उनके लुक की जमकर तारीफ की। किसी ने उन्हें ग्लोइंग कहा तो किसी ने हॉट बताया। वहीं फैंस भी दिल और फायर इमोजी के साथ कमेंट कर रहे हैं। शनाया कपूर का ये स्टाइलिश अवतार फैंस के बीच तेजी से वायरल हो रहा है। कुछ ही घंटों में हजारों लाइक्स और कमेंट्स आ चुके हैं। शनाया का यह ग्लैमरस लुक साबित करता है कि वह न सिर्फ एक्टिंग बल्कि फैशन के मामले में भी इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बना रही हैं। शनाया कपूर का ये अंदाज एक बार फिर यह दिखाता है कि वह नई जेनरेशन की फैशन आइकन बनने की पूरी काबिलियत रखती हैं। फैंस अब बेसब्री से उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट्स का इंतजार कर रहे हैं।

नए भारत की नई कहानी: ग्रोथ मार्केट से ग्रोथ इंजन तक

गिरिराज सिंह

एक राष्ट्र की प्रगति केवल उसके आर्थिक सूचकांकों से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से तय होती है कि उस विकास से आम जनजीवन में कितनी गरिमा, अवसर और आत्मबल का संचार हुआ है। जब हम आज भारत की ओर देखते हैं, तो यह केवल एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि एक जाग्रत समाज की तस्वीर है, जो आगे बढ़ना जानता है, जो अपने अतीत से सीखता है और अपने भविष्य को स्वयं गढ़ रहा है।

मेरे लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर, जो वित्त वर्ष 2024-25 की अंतिम तिमाही में 7.4 प्रतिशत रही, एक आकंड़ा मात्र नहीं है। यह उस किसान की मेहनत का सम्मान है, जिसने आधुनिक तकनीक को अपनाकर पैदावार बढ़ाई। यह उस महिला उद्यमी की कहानी है, जिसने स्वयं सहायता समूह से यात्रा शुरू कर डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपने उत्पाद दुनिया तक पहुंचाए। यह उस युवा इंजीनियर का आत्मविश्वास है, जिसने मेक इन इंडिया के अंतर्गत नौकरी ढूंढ़ने के बजाय नौकरी देने वाला बना।

आज भारत की औसत विकास दर 6.5 प्रतिशत है, और नॉमिनल जीडीपी 330 ट्रिलियन को पार कर चुकी है। जीएसटी संग्रह लगातार दो महीने 2 लाख करोड़ से ऊपर रहा है। यह आर्थिक आत्मबल अब केवल महानगरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह गाँवों, छोटे कस्बों और दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुँचा है।

डिजिटल क्रांति ने भारत के सामाजिक ताने-बाने में एक ऐतिहासिक परिवर्तन लाया है। गाँव का एक युवा अब मोबाइल से भुगतान करता है, सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे खाते में प्राप्त करता है और ऑनलाइन पढ़ाई के माध्यम से अपने सपनों को साकार करता है। आज यूपीआई के जरिए 25 ट्रिलियन से अधिक ट्रांजैक्शन हो चुके हैं। यह डिजिटल समावेशन केवल तकनीकी परिवर्तन नहीं है, यह सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण का नया अध्याय है।

भारत ने वैश्विक व्यापार में भी अपनी मज़बूत उपस्थिति दर्ज की है। केवल अप्रैल 2025 में ही भारत से 3 मिलियन आईफोन आईफोन एक्सपोर्ट हुए, चीन से तीन गुना ज़्यादा। यह दर्शाता है कि भारत अब केवल बाज़ार नहीं, ग्लोबल वैल्यू चेन का प्रमुख स्तंभ बन चुका है। बीते दशक में भारत में 500 बिलियन से अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आया है, जो इनोवेशन, रोज़गार और आत्मनिर्भरता के नए द्वार खोल रहा है।

हमारे किसान भी इस बदलाव के सशक्त भागीदार बने हैं। आज 51 मिलियन किसानों के पास डिजिटल किसान आईडी है, जिससे उन्हें उनकी भूमि, फसल और योजनाओं का सीधा लाभ मिलता है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, डिजिटल मंडियाँ, और आत्मनिर्भर कृषि मिशन जैसे प्रयासों ने उन्हें सहयोगी नहीं, सहभागी बनाया है।

भारत में गरीबी दर 2011-12 के 29.5 प्रतिशत से घटकर आज 9.4 प्रतिशत रह गई है। यह केवल आर्थिक सुधार नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का विस्तार है। विश्व बैंक की रिपोर्ट बताती है कि अत्यंत गरीबी अब मात्र 5.3 प्रतिशत रह गई है। इस परिवर्तन में उस ग्रामीण परिवार की कहानी छिपी है, जिसके बच्चे पहली बार स्कूल गए, जिसने प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा को नज़दीक पाया, और जिसने आत्मनिर्भरता को अपनी पहचान बनाया।

इंफ्रास्ट्रक्चर में भी भारत ने नई ऊँचाइयाँ छुई हैं। आज भारत एक साल में 1,600 इंजन बनाकर विश्व का सबसे बड़ा लोकोमोटिव निर्माता है। ऊर्जा क्षेत्र में 49 प्रतिशत क्षमता अब नवीकरणीय स्रोतों से है। भारत अब सस्टेनेबल विकास की राह पर तेज़ी से अग्रसर है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में भी भारत की क्षमता को वैश्विक मान्यता मिल रही है। ओपनएआई जैसी संस्थाओं ने भारत में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय एआई अकादमी शुरू की है, यह हमारे युवाओं की प्रतिभा और संभावनाओं में भरोसे का प्रमाण है।

नए भारत की विकास यात्रा में टेक्सटाइल सेक्टर भी एक मजबूत स्तंभ बनकर उभरा है। तकनीकी वस्त्रों को वैश्विक मंच पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए नेशनल टेक्निकल टेक्सटाइल मिशन (एनटीटीएम) और प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव योजना एक-दूसरे के पूरक बनकर कार्य कर रही हैं। एनटीटीएम के तहत ?510 करोड़ की सहायता से 168 नवाचार आधारित प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई है। वहीं, टेक्सटाइल इंफ्रास्ट्रक्चर को वैश्विक मानकों पर लाने के लिए देशभर में 7 पीएम मित्रा पार्क स्थापित किए जा रहे हैं, जहां पूरी वैल्यू चेन को प्लग-एंड-प्ले' मॉडल पर काम करने की सुविधा मिलेगी। यह क्षेत्र अब केवल परंपरा नहीं, बल्कि तकनीक, नवाचार और निर्यात का नया प्रतीक बन चुका है।

आज भारत को विश्व व्यापार संगठन और विश्व आर्थिक मंच जैसे वैश्विक संस्थान केवल एक उभरती अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि ग्रोथ इंजन के रूप में देख रहे हैं। यह उस समर्पित प्रयास का परिणाम है, जो आदरणीय प्रधानमंत्री जी की नीतियों, योजनाओं और नागरिकों की सहभागिता से संभव हुआ है।

मैं दृढ़ता से मानता हूँ कि यह यात्रा केवल सरकार की नहीं, हर भारतीय की है। हमारे सामने आज जो उपलब्धियाँ हैं, वे उस संकल्प का परिणाम हैं जिसने हर गाँव, हर परिवार और हर नागरिक को जोड़ा। भारत आज एक विकल्प नहीं, एक प्रेरणा है, आत्मनिर्भरता की, समावेशिता की और वैश्विक नेतृत्व की। जब हम अमृतकाल में विकसित भारत ञ2047 की परिकल्पना करते हैं, तो वह केवल एक सपना नहीं, एक साझा संकल्प है और मुझे विश्वास है इस संकल्प की सिद्धि का समय अब दूर नहीं।

लेखक वस्त्र मंत्री, भारत सरकार हैं

नियमित योगासन करने से बढेगी आंखों की रोशनी

आजकल लोग घंटों तक मोबाइल, लैपटॉप और टीवी पर नजरें टिकाए रहते हैं। इसके परिणाम स्वरुप आंखों पर दबाव पड़ता है और नजर कमजोर होने लगती है। इस समस्या से निपटने के लिए योग बेहद कारगर उपाय साबित हो सकता है।

योगा एक्सपर्ट ने ऐसे पांच योगासनों की जानकारी दी है, जिन्हें नियमित करने से आंखों की रोशनी को बेहतर बनाए रखा जा सकता है। सबसे पहला है त्राटक। इस क्रिया में व्यक्ति एक स्थिर वस्तु जैसे जलती हुई मोमबत्ती की लौ को बिना पलक झपकाए देखता है। यह नेत्र मांसपेशियों को मजबूत करता है, एकाग्रता बढ़ाता है और आंखों की रोशनी में सुधार करता है। इसके बाद हथेलियों को रगड़कर गर्म किया जाता है और हल्के से बंद आंखों पर रखा जाता है, जिससे आंखों को गहराई से आराम मिलता है और थकान कम होती है। दूसरा अभ्यास है आई रोटेशन एक्सरसाइज, जिसमें आंखों को ऊपर-नीचे, दाएं-बाएं तथा गोलाकार घुमाया जाता है। यह नेत्र स्नायुओं को सक्रिय करता है और स्क्रीन से होने वाले तनाव को कम करता है। तीसरा योगासन है शवासन, जो शरीर और मन को गहरी शांति प्रदान करता है। तनाव आंखों पर भी असर डालता है, ऐसे में शवासन अप्रत्यक्ष रूप से आई साइट सुधारने में सहायक होता है। चौथा अभ्यास है भ्रामरी प्राणायाम, जिसमें मधुमक्खी जैसी ध्वनि निकाली जाती है। यह मानसिक तनाव को घटाता है, जिससे आंखों की जलन, सूखापन और थकान कम हो सकती है। इन योगासनों को प्रतिदिन कुछ मिनटों के लिए करने से आंखों की सेहत को लंबे समय तक सुरक्षित रखा जा सकता है।

सू- दोकू क्र.15

	7			4		3		
2			3			9		4
	6			2				
3		1			7		4	
	2			1			6	
8			9		4			1
		2		3		7		
1			7		2	4		3
	5	3		8			7	2

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.14 का हल

9	2	8	3	1	5	7	4	6
4	1	6	8	9	7	2	5	3
7	3	5	4	6	2	8	1	9
2	7	3	9	8	1	4	6	5
5	4	1	6	7	3	9	2	8
6	8	9	2	5	4	1	3	7
3	6	2	7	4	9	5	8	1
8	5	7	1	2	6	3	9	4
1	9	4	5	3	8	6	7	2

डिजिटल क्रांति: छत्तीसगढ़ में टेक्नोलॉजी से ट्रांसफॉरमेशन

हीरा देवांगन

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ डिजिटल इंडिया के सपने को साकार कर रहा है। राज्य सरकार की दूरदर्शी नीतियों और तकनीकी नवाचारों के बल पर छत्तीसगढ़ डिजिटल सेवाओं के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मंत्रालय से लेकर ग्राम पंचायतों तक डिजिटल तकनीक ने शासकीय कामकाज को आसान एवं प्रभावी बनाया है। प्रदेश के 1460 ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सेवा केंद्र के माध्यम से बुजुर्ग पेंशनरों, महतारी वंदन योजना की लाभार्थी महिलाओं को नगद आहरण की सुविधा दी जा रही है। विभिन्न योजनाओं की डीबीटी की राशि का ग्राम पंचायतों में ही नगद भुगतान की सुविधा होने से ग्रामीणों को बैंक शाखाओं तक नहीं जाना पड़ रहा है।

छत्तीसगढ़ सरकार ने मंत्रालयों और संचालनालयों में ई-ऑफिस प्रणाली को सफलतापूर्वक संचालित करने के बाद अब जिलों में भी ई-ऑफिस का क्रियान्वयन किया जा रहा है। कार्यालयीन कामकाज में कागजी कार्यवाही को न्यूनतम करने की दिशा में यह एक बड़ा कदम है। इससे कार्यालयीन कामकाज में तेजी आई है एवं प्रक्रिया और पारदर्शी हुई है। इस पहल से फाईलों के निपटारे में अनावश्यक लेटलतीफी दूर हुई है त्वरित निर्णय हो रहे हैं। 10 डिजिटल सेवाओं की शुरुआत से जमीन की रजिस्ट्री आसान और पारदर्शी हो रही है। आधार प्रमाणीकरण से अपाईमेंट लेकर घर बैठे जमीन एवं मकान की रजिस्ट्री कराई जा रही है। रजिस्ट्री के बाद नामांतरण की प्रक्रिया स्वतः पूरी हो जाती है।

राजस्व प्रशासन को दुरूस्त करने छत्तीसगढ़ के 14 हजार 490 गांवों का जियो रिफ्रेंसिंग का महत्वाकांक्षी कार्य पूरा हो चुका है। इस तकनीक से भूमि संबंधी विवाद दूर होंगे। खरीफ वर्ष 2025-26 में डिजिटल फसल सर्वेक्षण हेतु 14 हजार से अधिक गांवों का चयन किया गया है। ई-कोर्ट के माध्यम से राज्य में राजस्व प्रकरणों का समयबद्ध एवं त्वरित निराकरण किया जा रहा है। साथ ही, अटल मॉनिटरिंग पोर्टल के माध्यम से शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों की रीयल-टाइम निगरानी की जा रही है। शासकीय खरीदी में पारदर्शिता के लिए जेम पोर्टल को अनिवार्य किया गया है, जिससे शासकीय खरीद प्रक्रिया में निष्पक्षता और जवाबदेही बढ़ी है।

प्रदेश के पेंशनरों के लिए प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल और सुलभ बनाया गया है। पेंशनरों और कर्मचारियों के लिए डिजीलॉकर के माध्यम से महत्वपूर्ण दस्तावेज जैसे ई-पीपीओ, जीपीएफ स्टेटमेंट, अंतिम भुगतान आदेश और पेंशन प्रमाण पत्र उपलब्ध कराए जा रहे हैं। एम्प्लाई कॉर्नर मोबाइल ऐप और वेब पोर्टल के माध्यम से शासकीय कर्मचारियों की सेवा जानकारी को अद्यतन करने की प्रक्रिया को डिजिटल बनाया गया है।

छत्तीसगढ़ एआई के क्षेत्र में दुनिया से कदम मिलाकर आगे बढ़ रहा है। नवा रायपुर में देश का पहला एआई डेटा सेंटर पार्क स्थापित होने से प्रदेश की डिजिटल अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। इससे आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस आधारित सेवाओं के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ की नई पहचान बनेगी। छत्तीसगढ़ सरकार हर वर्ग तक डिजिटल सुविधाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। सीजीएमएससीएल द्वारा ऐप के माध्यम से राज्य की दवा आपूर्ति श्रृंखला को रीयल-टाइम में ट्रैक किया जा रहा है। विशेष रूप से आदिवासी क्षेत्रों में समय पर दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कर यह ऐप स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी बना रहा है।

खनिज विभाग द्वारा ऑनलाइन ट्रांजिट पास की सुविधा ने खनिजों के परिवहन को और अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी बनाया है। सीएमओ पोर्टल की शुरुआत ने नागरिकों और सरकार के बीच संवाद को और मजबूत किया है। छत्तीसगढ़ सरकार की ये डिजिटल सेवाएं प्रशासनिक दक्षता को बढ़ाने के साथ ही नागरिकों के जीवन को भी आसान बना रही हैं। इससे गांवों से लेकर शहरों तक हर वर्ग को डिजिटल क्रांति का लाभ मिल रहा है।

लेखक संयुक्त संचालक हैं

भोले के जलाभिषेक को उमड़े श्रद्धालु

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। सावन मास के सोमवार को जनपद के सभी शिव मंदिरों में भक्तों की भीड़ लगी रही। बम-बम भोले के जयकारों के साथ भक्त जलाभिषेक को पहुंचे। केदारनाथ धाम में बड़ी संख्या में कांवडिए पहुंचे तो स्थानीय भक्तों ने भी बाबा केदार का जलाभिषेक किया। वहीं कोटेश्वर महादेव सहित सभी शिवालयों में भक्तों की जलाभिषेक के लिए लम्बी लाइनें देखी गई। सावन मास की संक्राति से सावन का महीना शुरू हो गया है। सवान मास के सोमवार को लेकर भक्तों में खासा उत्साह देखा गया। जिला मुख्यालय स्थित कोटेश्वर एवं रुद्रनाथ मंदिर में सुबह 5 बजे से भक्त उमड़ने शुरू हो गए थे। अलकांनदा-मंदाकिनी के संगम स्थल एवं कोटेश्वर में अलकनंदा तट भक्तों ने स्नान के साथ ही भोले बाबा का जलाभिषेक किया। इस दौरान बम बम भोले के जयकारों से शिवालय गूंज उठे। कोटेश्वर में भक्तों की भीड़ देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस तैनात रही। केदारनाथ में भी बाबा केदार का बड़ी संख्या में भक्तों ने जलाभिषेक किया।

पुलिस ने अब तक 17 शिवभक्तों को किया रेस्क्यू

नई टिहरी(आरएनएस)। कावड़ मेले के दौरान जल पुलिस और आपदा राहत दल के कार्मिकों ने बीती 11 से 19 जुलाई तक गंगा घाटों पर 17 शिवभक्तों का सकुशल रेस्क्यू किया है। यह शिवभक्त गंगा स्नान के लिए अलग-अलग प्रदेशों से आए थे। गंगा का बहाव तेज होने के कारण वे तेज लहरों की चपेट में आ गए थे। एसएसपी आयुष अग्रवाल ने बताया कि पुलिस कांवड़ यात्रा को सफल बनाने के लिए टीम भावना से कार्य कर रही है। बताया कि एक सप्ताह में पुलिस ने मुनिकीरेती, तपोवन क्षेत्र से गंगा की तेज लहरों की चपेट में आए अनिल कुमार, तरुण कुमार, जितेंद्र कुमार, राकेश कुमार, अंकित, भारत कुमार, रमेश कुमार, राहुल, सोनू, मोहित कुमार, साहिल, योगेश कुमार, कुलदीप, राहुल सिंह, सचिन कुमार, ओंकार सिंह और गौरव कुमार का सकुशल रेस्क्यू किया है। यह शिवभक्त दिल्ली एनसीआर और यूपी के निवासी हैं। उन्होंने टिहरी पुलिस का आभार जताया है।

कोठी में प्रधान का चुनाव बना दिलचस्प

नई टिहरी(आरएनएस)। बदरीनाथ धाम के तीर्थपुरोहितों के गांव कोठी में ग्राम प्रधान चुनाव में दिलचस्प मुकाबले की स्थिति बनी है। पिछली बार अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित प्रधान पद पर गजपाल चुने गए थे। जबकि इस बार यहां प्रधान पद अनारक्षित होने पर मुकाबला काफी दिलचस्प बना है। करीब 348 मतदाताओं की ग्राम पंचायत कोठी में 7 फीसदी ब्राह्मण मतदाता हैं। जबकि 22 फीसदी ठाकुर और शेष अनुसूचित जाति से जुड़े मतदाता हैं। यहां तीनों समुदायों से ग्राम प्रधान पद के उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। अनुसूचित जाति से उदय, ठाकुर समुदाय से युवराज सिंह और ब्राह्मण समुदाय से बृजेश ध्यानी शामिल हैं। इनमें उदय तीसरी बार यहां प्रधान पद की दौड़ में हैं। कोठी के मतदाताओं का साफ कहना है कि वह जाति समुदाय से ऊपर उठकर अपना मतदान करेंगे। जिसका परिणाम किसी भी पक्ष में हो सकता है।

आपदा की स्थिति में मतदान तिथियों में होगा परिवर्तन

चमोली(आरएनएस)। जनपद में आपदा की स्थिति में मतदान की तिथियों में परिवर्तन किया जाएगा। जनपद में त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों के सफल संचालन के लिए राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से निर्देश जारी कर दिए गए हैं। जिसके तहत मतदान क्षेत्र में आपदा, भारी वर्षा, भूस्खलन या किसी अन्य प्राकृतिक अथवा मानवीय कारण से निर्धारित तिथि को मतदान करवाना संभव न होने की स्थिति में, ऐसे मतदान केंद्रों पर पुन: मतदान कराया जाएगा। राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार आपदा के चलते मतदान न होने पर प्रथम चरण का मतदान पूर्व निर्धारित तिथि 24 जुलाई को न होने की स्थिति में पुन: मतदान 28 जुलाई, को कराया जाएगा। जबकि द्वितीय चरण के मतदान हेतु निर्धारित तिथि 28 जुलाई को मतदान बाधित होने पर पुन: मतदान 3 जुलाई को करवाया जाएगा। पुन: मतदान का समय प्रात: 8 बजे से सायं 5 बजे तक रहेगा। आयोग की ओर से मौसम की स्थिति पर विशेष निगरानी रखने और भारी वर्षा और आपदा की संभावना वाले क्षेत्रों की शीघ्र पहचान कर वहाँ पुन: मतदान की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं।

हजारा बिरादरी की कार्यकारणी की बैठक सम्पन्न

संवाददाता

देहरादून। हजारा बिरादीर की कार्यकारणी की बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। आज यहां धामावाला क्षेत्र में गीता भवन में 'हजारा बुणजाई मुल्तानी बिरादरी, 1950 देहरादून (पंजी.)' की नवनिर्वाचित कार्यकारणी की प्रथम बैठक में हिस्सा लिया और कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करी, जिसमें मुख्यत: बिरादरी को आगे बढ़ाने के लिये विमर्श किया गया। कार्यकारिणी बैठक में अध्यक्ष पवन चंडोक, महामंत्री सचिन विज, प्रचार मंत्री अभिनव थापर, उपाध्यक्ष अशोक मल्होत्रा, क्षेत्र प्रधान प्रद्युम्न कक्कड़, धामावाला क्षेत्र प्रधान संजीव पूरी, कोषाध्यक्ष संजय उप्पल, सचिव अभिषेक तलवाड़, पटेलनगर क्षेत्र प्रधान किशोर सहगल, धर्मपुर क्षेत्र प्रधान प्रदीप सूदी, प्रेमनगर क्षेत्र प्रधान भुवनेश तलवाड़, क्षेत्र प्रधान धीरज ओबरॉय जी व अन्य ने भाग लिया। हजारा बुणजाई बिरादरी 1950, देहरादून (पंजी.) देहरादून के सामाजिक कार्यों में योगदान देने वाली उत्तराखंड की सबसे पुरानी संस्थाओं में से एक है।

नाफरमानी पर एक और बैंक बना डीएम के कोप का भाजन, सीएसएल बैंक सील

संवाददाता

देहरादून। जिला प्रशासन इन दिनों जनहित से जुड़े विषयों पर सख्त रूख अपनाए हुए हैं, जहां जनहित में निरंतर कड़े निर्णय लिए जा रहें हैं वही आदेशों की अहवेलना पर सख्त कार्यवाही भी की जा रही है। ऐसा ही एक अन्य प्रकरण बैंक ऋण से सम्बन्धित व्यथित प्रिया का है जहां आदेशों की ना फरमानी पर एक और बैंक डीएम के कोप भाजन बना है। जिस पर कड़ी कार्रवाई करते हुए जिला प्रशासन ने बैंक शाखा को सील करते हुए ताला जड़ दिया है। विगत 11 जुलाई 2025 को जिलाधिकारी के समक्ष आर्थिक तंगी से जूझ रही 4 छोटे बच्चों की मां विधवा प्रिया ने गुहार लगाई थी कि पति की मृत्यु के उपरान्त बैंक एक वर्ष से बीमित ऋण का न तो क्लेम दे रहा है तथा सम्पति के कागज भी जब्त किए गए हैं। उन्होंने डीएम से गुहार लगाते हुए का कि उनके पति स्व. विकास कुमार द्वारा 6.50 लाख का बैंक से ऋण लिया था तथा बैंक के अनुरोध पर ऋण का भी बीमा भी करवाया था। बीमा कम्पनी द्वारा ऋण का बीमा करते समय सभी मानकों /जांच जिसमें शारीरिक तथा अन्य समस्त जांच की औपचारिकताएं पूर्ण करते हुए ऋण का बीमा किया गया तथा प्रीमियम शुल्क काटते हुए ऋण भुगतान उनके पति को किया गया।

पति की आकस्मिक मृत्यु उपरांत चार नन्ही बालिकाओं की विधवा मॉ प्रिया ऋण बीमा धोखाधड़ी में सीएसएल बैंक, को प्रशासन द्वारा सील कर ठप्प कर दिया है जल्द ही नीलामी की कार्यवाही की जाएगी। प्रिया के पति विकास की मृत्यु उपरांत ऋण बीमा होते हुए भी बैंक उपद्रवी एजेंटस द्वारा उनका घर के कागज जब्त कर लिए थे। व्यथित विध वा प्रिया को बीमा धनराशि नो ड्यूज न देने पर प्रशासन ने राजपुर रोड स्थित बैंक शाखा पर ताला जडते हुए सील कर दिया है।

विधवा महिला फरियादी प्रिया पति विकास कुमार की मृत्यु उपरांत एक वर्ष से न्याय को भटक रही थी। दंपति द्वारा सी.एस.एल. फाईनेंस लि0 से 6.50 लाख का ऋण लिया था तथा ऋण का बीमा भी कराया था। उनके पति की 12 जुलाई 2024 को आकस्मिक मृत्यु हो गई थी। तभी से बैंक प्रिया को परेशान कर रहे थे, बार-बार बैंक के चक्कर कटा रहे थे तथा उनके घर के कागज भी जब्त कर लिए थे। सब जगह से परेशान होकर प्रिया ने डीएम से गुहार लगाई थी, जिस पर डीएम ने संबंधित बैंक के प्रबंधक की 6.50 लाख की आरसी काट दी। एक सप्ताह का समय दिए जाने के उपरांत भी बैंक द्वारा वसूली में सहयोग न करने तथा न ही महिला को नो ड्यूज नहीं दे रहे थे। जिस पर जिला प्रशासन द्वारा सीसीएल लिमिटेड की राजपुर रोड शाखा को सील करते हुए ताला लगा दिया है।

जिला प्रशासन निरंतर अपने कड़े फैसलों से जहां जनमानस को उनका अधिकार दिला रहा है वहीं जनमानस को अनावश्यक परेशान करने वालों पर भी नकेल कस रहा है, जिससे ऐसा कृत्य करने वालों में प्रशासन का खौफ भी बढा है। बावजूद इसके नये प्रकरण भी सामने आ रहे हैं।

जिलाधिकारी सविन के सम्मुख एक ताजा प्रकरण बैंक से आया है जिसमें महिला के पति की मृत्यु हो जाने पर बीमित बैंक ऋण के एवज में सुरक्षा देने के बजाय विधवा महिला को परेशान किया जा रहा था। जिस पर प्रशासन ने बैंक को सील कर दिया है। जिला प्रशासन के नित नए कड़े व बड़े फैसलों की ऋृंखला जारी है। जिला प्रशासन अपने नए अवतार में है। अब असहाय निर्बल के शोषण की घटनाओं पर प्रशासन अपने प्रचंड रूप में नजर आ रहा है। जनमानस को गुमराह-परेशान करने वालों पर सख्त फैसलों से जहां नकेल कसी जा रही हैं, वहीं जनमानस में भी खुशी की लहर है। 4 बालिकाओं की विधवा मॉ प्रिया ने डीएम से लगाई गुहार, जिस पर प्रशासन ने आरसी काटते हुए कार्यवाही शुरू कर दी है।

जाम के बीच मौके पर एम्बुलेंस से बेहोश कावंड यात्री को तत्काल भेजा अस्पताल

संवाददाता

देहरादून। बीपी लो होने के कारण बेहोशी की हालत में गिरे कांवड यात्री को एसएसपी अजय सिंह ने तत्काल मौके पर एम्बुलेंस मंगवाकर उसको अस्पताल पहुंचाया।

आज कावंड मेले का अन्तिम सोमवार होने के कारण भारी संख्या में डाक कावंडियों व कावंड यात्रा में आये अन्य श्रद्धालुओं के जलाभिषेक के लिये नीलकण्ठ जाने के कारण ऋषिकेश क्षेत्र में यातायात का दबाव काफी बढ गया था।

इस दौरान श्यामपुर फाटक पर ट्रेन के गुजरने के कारण मौके पर फाटक बंद होने से उक्त मार्ग पर भीषण जाम की स्थिती उत्पन्न हो गयी थी, जिस पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह द्वारा पुलिस अधीक्षक ऋषिकेश के साथ स्वंय मौके पर पहुंचकर यातायात व्यवस्था का सुचारू संचालन सुनिश्चित किया गया। साथ ही उपस्थित अधिकारियों को यातायात व्यवस्था के सुचारू संचालन हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इसी दौरान एसएसपी की नजर मोटर साइकिल सवार एक श्रद्धालु पर पडी, जो जाम तथा उमस के कारण लगभग अर्द्ध अचेत अवस्था में था। एसएसपी देहरादून द्वारा तत्काल उक्त श्रद्धालु के पास पहुंचकर गिरती मोटर साइकिल को संभालते हुए श्रद्धालु को मोटर साइकिल से नीचे उतारा गया। उक्त श्रद्धालु का बीपी लो होने के कारण वह लगभग बेहोशी की अवस्था में था, जिसे एसएसपी देहरादून द्वारा नीबूं पानी व अन्य पेय पदार्थ पिलाते हुए प्रार्थमिक उपचार उपलब्ध कराया गया तथा एम्बुलेंस के माध्यम से उपचार हेतु नजदीकी अस्पताल भिजवाया गया। इस दौरान श्रद्धालु की मोटर साइकिल को एसएसपी दून द्वारा स्वंय धकेलते हुए सडक के किनारे पार्क किया गया तथा यातायात व्यवस्था को सुचारू कराया गया।

इस दौरान एसएसपी देहरादून द्वारा उपस्थित अधिकारियों को कावंड श्रद्धालुओं की हर सम्भव सहायता के लिये तत्पर रहने तथा हुडदंग करने वालों से सख्ती से निपटने के निर्देश दिये गये।

मुख्यमंत्री ने 'डिजिटल उत्तराखंड' प्लेटफॉर्म के क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा की

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 'डिजिटल उत्तराखंड' के एकीकृत प्लेटफॉर्म के माध्यम से नागरिक सेवाओं की सरल, सुविधाजनक और पारदर्शी उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए तय रोडमैप के अनुसार प्रभावी व समयबद्ध कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुड गवर्नेंस के लिए राज्य सरकार की इस महत्वपूर्ण गेमचेंजर डिजिटल पहल को सफल बनाने के लिए सभी संबंधित विभाग तत्परता से कार्यवाही सुनिश्चित करें।

गेमचेंजर योजनाओं को लेकर सचिवालय में आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री ने डिजिटल उत्तराखंड प्लेटफॉर्म के क्रियान्वयन की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य को डिजिटल युग की मुख्यधारा में लाने की दिशा में इस पहल से शासन प्रणाली को पारदर्शी और प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी और नागरिकों तक संवाद और सेवाओं के वितरण के तरीके में भी क्रांतिकारी बदलाव हो सकेगा। उन्होंने कहा कि इस प्लेटफॉर्म को सुगम, सुविधाजनक और सुरक्षित बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाय।

बैठक में सचिव सूचना प्रोद्यौगिकी नितेश झा ने जानकारी दी कि डिजिटल उत्तराखंड प्लेटफॉर्म को राज्य सरकार की सभी योजनाओं के त्वरित एक्सेस लिंक तथा सेवाओं के लिए डिजीटल एकल एक्सेस प्वांइट के रूप में विकसित किया जा रहा है। इससे डेटा आधारित प्रशासन और कार्यक्षमता व दक्षता में अपेक्षित सुधार कर नागरिक सेवाओं के वितरण एवं योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। इस अवर पर अवस्थापना अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष विश्वास डाबर, मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु, आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव श्रीधर बाबू अदांकी, निदेशक आईटीडीए गौरव कुमार, सी.पी.पी.जी.जी. के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज पंत एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

देहरादून के कुल 1090 पोलिंग बूथों के लिए रिजर्व सहित बनाई गई 1208 पोलिंग पार्टियां

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को सकुशल संपन्न करवाने के लिए सोमवार को उप जिला निर्वाचन अधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह की अध्यक्षता में विकास भवन में राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित सॉफ्टवेयर के माध्यम से पोलिंग कार्मिकों का तीसरा रेंडमाइजेशन किया गया। तीसरे रेंडमाइजेशन में पोलिंग पार्टियों को जिले के सभी 1090 मतदेय स्थल आवंटित किए गए। जिससे पोलिंग पार्टियों को अपने बूथ की जानकारी मिल गई है, कि उन्हें किसी बूथ पर जाना है।

विकासखंड चकराता, कालसी और विकास नगर में पहले चरण के तहत 24 जुलाई को मतदान होगा। चकराता ब्लाक के दूरस्थ क्षेत्रों की 44 पोलिंग पार्टियां मतदान दिवस के दो दिन पूर्व 22 जुलाई को रवाना होंगी। इन तीनों ब्लाकों की अन्य सभी 470 पोलिंग पार्टियां मतदान से एक दिन पूर्व 23 जुलाई को रवाना की जाएंगी। पंचायत चुनाव के लिए चकराता में कुल 137, कालसी में 130 तथा विकास नगर में 247 मतदेय स्थल बनाए गए है। तीसरे रेंडमाइजेशन के बाद इन सभी पोलिंग पार्टियों के कार्मिकों को बूथ आवंटन के साथ ही पोलिंग ड्यूटी आदेश भी जारी कर दिए गए है। दूसरे चरण में 28 जुलाई को विकासखंड डोईवाला, सहसपुर और रायपुर के 576 मतदेय स्थलों पर पंचायत चुनाव होगें।

जिले के कुल 1090 पोलिंग बूथों पर पंचायत चुनाव के लिए रिजर्व सहित 1208 पोलिंग पार्टियां बनाई गई है। जिसमें 6040 कार्मिकों की तैनाती की गई है। प्रत्येक पोलिंग पार्टी में पीठासीन अधिकारी, प्रथम मतदान अधिकारी सहित कुल 05 कार्मिकों की तैनाती की गई है। प्रत्येक पोलिंग पार्टी में द्वितीय मतदान अधिकारी महिला कार्मिक रहेगी। कार्मिकों के रेंडमाइजेशन के दौरान मुख्य शिक्षा अधिकारी वीके ढौंडियाल, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी रनजीत सिंह चौहान, एडीआईओ अंकुश पांडेय आदि मौजूद थे।

लैंडिंग के दौरान रनवे से फिसला एयर इंडिया का विमान, तीनों टायर फटे

कार्यालय संवाददाता

मुंबई। भारी बारिश के बीच सोमवार सुबह मुंबई एयरपोर्ट पर एक बड़ा हादसा टल गया, जब एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-2744 रनवे से फिसल गई। यह ए320 एयरक्राफ्ट कोच्चि से मुंबई आ रही थी और सुबह 9:27 बजे रनवे 27 पर लैंड करते समय विमान फिसल गया। विमान लैंडिंग के समय रनवे 27 पर टचडाउन जोन के पास फिसलकर 16 से 17 मीटर बाहर चला गया। मसलन, विमान एयरपोर्ट से उतर गया और अनपेव्ड एरिया में जा घुसा और वहां से निकलकर टैक्सीवे पर जा पहुंचा, जहां पायलट ने विमान को संभाला और रोका। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने बयान में कहा, कोच्चि से मुंबई आ रही फ्लाइट एआई-2744 को लैंडिंग के समय भारी बारिश का सामना करना पड़ा। टचडाउन के बाद रनवे एक्सकर्शन हुआ, लेकिन विमान सुरक्षित रूप से गेट तक रुकने में सफल रहा। सभी यात्री और क्रू पूरी तरह सुरक्षित हैं। विमान को जांच के लिए ग्राउंड कर दिया गया है। यात्रियों की सुरक्षा हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। इस हादसे में एयरक्राफ्ट के तीन टायर फट गए, और मुख्य रनवे 09/27 को नुकसान पहुंचा है। एयरपोर्ट प्रवक्ता ने बताया, मुख्य रनवे पर कुछ नुकसान हुए हैं। ऑपरेशन्स को जारी रखने के लिए सेकेंडरी रनवे 14/32 को एक्टिव कर दिया गया है। मुंबई एयरपोर्ट ने एक बयान में कहा, कोच्चि से आने वाली फ्लाइट को रनवे एक्सकर्शन का सामना करना पड़ा। हमारी इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीमें तुरंत एक्टिव हो गईं। सभी यात्री और क्रू सुरक्षित हैं।

भारी बरसात के कारण दून पुलिस को रखा गया है अलर्ट मोड पर

संवाददाता

देहरादून। भारी बरसात के कारण दून पुलिस को एसएसपी ने अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिये।

आज यहां लगातार हो रही भारी बरसात के कारण आसन नदी का जलस्तर बढने के कारण भूड़पुर क्षेत्र मे आवासीय कालोनी में जलभराव होने के कारण कुछ लोगों के अपने घरों में फंसे होने की सूचना पटेलनगर पुलिस को प्राप्त हुई।

उक्त सूचना पर चौकी प्रभारी नयागांव मय पुलिस बल व आपदा उपकरणों के तत्काल मौके पर पहुंचे तथा मौके पर रस्सों की सहायता से घरों में फंसे लोगो को सकुशल रैस्क्यू करते हुए उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। लगातार हो रही बारिश के दृष्टिगत एसएसपी देहरादून द्वारा दून पुलिस को अलर्ट मोड पर रखा गया है। पुलिस द्वारा नियमित रूप से नदी नालों के किनारे बस्तियों व आवासीय क्षेत्रों में भ्रमणशील रहते हुए लाउड हेलरो के माध्यम से लोगों को सतर्क रहने तथा बरसात के दौरान नदी नालों के किनारे न जाने के सम्बंध में सचेत किया जा रहा है। साथ ही संवेदनशील स्थानों से लोगों को हटाते हुए उन्हें सुरक्षित स्थानों पर भेजा जा रहा है।

'ऑपरेशन सिंदूर' में भारतीय सेना ने 100 फीसदी लक्ष्य हासिल किया: पीएम मोदी

कार्यालय संवाददाता

नई दिल्ली। आज संसद का मॉनसून सत्र 2025 शुरू होने से पहले संसद परिसर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर में अपना 100 फीसदी लक्ष्य पूरा किया है। प्रधानमंत्री ने कहा, ष्ये मानसून सत्र एक विजयोत्सव है। पूरी दुनिया ने भारत की सैन्य शक्ति का, भारत के सैन्य सामर्थ्य का रूप देखा है। ऑपरेशन सिंदूर में भारत की सेना ने जो लक्ष्य निर्धारित किया था, 100 फीसदी प्राप्त किया। ऑपरेशन सिंदूर के तहत आर्तकियों के आकाओं के घर में जाकर, 22 मिनट के भीतर, उसको जमींदोज कर दिया गया।

पीएम मोदी ने कहा, साथियों पहलगाम की क्रूर हत्या, अत्याचार, नरसंहार, पूरी दुनिया चौक उठी थी। आतंकवादियों और उनके आकाओं की ओर दुनिया का ध्यान केंद्रित हुआ। उस समय दल हित छोड़कर देश हित में हमारे ज्यादातर दलों के प्रतिनिधि, ज्यादातर राज्यों के प्रतिनिधि ने विश्व भ्रमण किया। दुनिया के अनेक देशों में गए। एक स्वर से, दुनिया के सामने आतंकवादियों के आका पाकिस्तान को बेनकाब करने का सफल अभियान चलाया। मैं आज राष्ट्रहित में किए गए इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए उन सभी सांसदों की सराहना करना चाहता हूं। सभी दलों की सराहना करना चाहता हूं। इससे देश में एक सकारात्मक वातावरण पैदा हुआ। विश्व ने भारत की बात स्वीकार करने की दिशा में मन के द्वार खोले। इन दिनों जब भी मैं दुनिया के लोगों से मिलता हूं तो भारत द्वारा बनाए जा रहे मेड इन इंडिया हथियारों के प्रति दुनिया का आकर्षण बढ़ता ही जा रहा है। पीएम ने कहा कि आज हमारे सुरक्षा बल एक नए आत्मविश्वास और नक्सलवाद को खत्म करने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। आज कई जिले नक्सलवाद से मुक्त हैं। देश में माओवाद और नक्सलवाद का दायरा छोटा हो रहा है। हमें गर्व है कि बंदूक के आगे हमारे देश का संविधान जीत रहा है। जो जोन पहले रेड जोन थे, वो अब देश के लिए ग्रीन जोन बनते जा रहे हैं और इस सत्र में देश के इस गौरवगान के पूरा देश सुनेगा और हर सांसद से सुनेगा। पीएम ने भारत की अर्थव्यवस्था का जिक्र करते हुए कहा कि पहले हम दुनिया में 10वें नंबर की अर्थव्यवस्था थे, लेकिन अब हम दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने जा रहे हैं।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।